



कविता : स्वतंत्रता दिवस

-आलोक कौशिक

सनातकोत्तर (अंग्रेजी साहित्य) पत्रकारिता एवं स्वतंत्र लेखन बेगूसराय (बिहार)

<https://sahityacinemasetu.com/poem-independence-day/>

संग अपने हर्षोल्लास लेकर
पुनः स्वतंत्रता दिवस आया है
नमन उन वीरों को जिनके कारण
हमने स्वतंत्र भारत पाया है

जिनके शौर्य से परतंत्रता हारी
स्वतंत्रता का हुआ था आगमन
स्मरण करें उनके बलिदानों को
देश के अमर जवानों को नमन

भक्ति करें अपनी मातृभूमि की
उर में देशप्रेम की ज्योति जले
मानव जीवन देना जब भी प्रभु
भारतभूमि में ही जन्म मिले